No. of Printed Pages : **4**

BPY-011

00031

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME (BDP PHILOSOPHY)

Term-End Examination

December, 2018

ELECTIVE COURSE : PHILOSOPHY
BPY-011 : PHILOSOPHY OF HUMAN PERSON

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : *(i) Answer **all five** questions.*

*(ii) **All** questions carry **equal** marks.*

*(iii) Answer to question nos. **1** and **2** should be in about **400** words each.*

---

1. Explain Human Being as 'bodily' from biological and phenomenological understanding of human person. **20**

OR

Discuss the significance of language and communication among human beings. **20**

2. What is the understanding of human self as discussed in Vedas and Upanisads ? Explain. **20**

OR

How do Rene Descartes and Immanuel Kant understand human person ? Elaborate. **20**

3. Answer **any two** of the following in about **200** words each :

(a) Explain the Existentialist approach to human person. **10**

(b) How does Martin Buber understand 'I - Thou' relationship ? Elaborate. 10

(c) What is immortality of the soul ? How do philosophers explain the concept ? 10

(d) Illustrate Buddhist concept of human person. 10

4. Answer **any four** of the following in about **150** words each :

(a) Explain spiritual nature of human person. 5

(b) What is the relationship between human body and soul ? 5

(c) Describe human person as social being. 5

(d) How do you understand human freedom ? 5

(e) What is anthropocentricism ? 5

(f) Why are the humans in need of liberation ? 5

5. Write short notes on **any five** of the following in about **100** words each :

(a) Human Will 4

(b) Instinct 4

(c) Culture 4

(d) Mystery 4

(e) Gender 4

(f) Labour 4

(g) Homo Sapiens 4

(h) Aham Brahmasmi 4

बी.पी.वाई.-011

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी. दर्शन शास्त्र)
सत्रांत परीक्षा
दिसंबर, 2018
ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शन शास्त्र
बी.पी.वाई.-011 : मानव-व्यक्ति दर्शन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : (i) ***सभी पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(ii) ***सभी*** *प्रश्नों के अंक* ***समान*** *हैं।*

(iii) प्रश्न संख्या 1और 2 में प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए।

---

1. मानव-व्यक्ति की जीववैज्ञानिक और संवृत्तिशास्त्रीय समझ के आधार पर मानव की 'शारीरिक' जीव के रूप में व्याख्या कीजिए। 20

अथवा

मानवों के मध्य भाषा एवं संचार के महत्व पर चर्चा कीजिए। 20

2. वेदों एवं उपनिषदों में विवेचित मानव-आत्मा सम्बंधि समझ क्या है? व्याख्या कीजिए। 20

अथवा

रेने देकार्त और इमेनुअल कांट मानव-व्यक्ति को कैसे समझते हैं? स्पष्ट करें। 20

3. **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में दीजिए।

(a) मानव-व्यक्ति सम्बंधि अस्तित्ववादी दृष्टि की व्याख्या करें। 10

(b) मार्टिन बुबर 'मैं-तुम' (I - Thou) सम्बंध को कैसे देखते हैं? स्पष्ट करें। 10

(c) आत्मा की अमरता क्या है? दार्शनिक इस विचार की व्याख्या कैसे करते हैं? 10

(d) मानव-व्यक्ति सम्बंधि बौद्ध दर्शन की अवधारणा पर प्रकाश डालिए। 10

4. **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए।

(a) मानव-व्यक्ति की आध्यात्मिक प्रकृति की व्याख्या करें। 5

(b) मानव शरीर एवं आत्मा के मध्य क्या सम्बंध हैं? 5

(c) मानव-व्यक्ति का सामाजिक प्राणी के रूप में वर्णन कीजिए। 5

(d) मानव स्वतन्त्रता को आप किस प्रकार समझते हैं? 5

(e) मानवकेन्द्रीयवाद क्या है? 5

(f) मानव के लिए मुक्ति क्यों आवश्यक है? 5

5. **किन्हीं पाँच** प्रश्नों में प्रत्येक पर लगभग 100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

(a) मानव इच्छा 4

(b) मूलवृत्ति 4

(c) संस्कृति 4

(d) रहस्य 4

(e) लिंग (Gender) 4

(f) श्रम 4

(g) होमो सेपियन्स 4

(h) अहं ब्रह्मास्मि 4